UNIVERSITY OF ALLAHABAD
PUBLIC RELATIONS OFFICE

.Email: prodrau@gmail.com; Mobile: +9335129772

No. P.R.O/18(PR)/2021-22 Date: August 29, 2024

To,

The News Editor,
The Times of India, NIP, the Pioneer, Hindustan Times, Hindustan, Amar Ujala, Compact, Amrit Prabhat, Dainik Jagran, i-Next, Swatantra Chetna, United Bharat, Aaj, Swatantra Bharat, Daily News Activist.

Sir,

Kindly publish the following news item in your esteemed daily free of cost and oblige.
Thanking you,

Yours faithfully,

Public Relation Officer

Press Release

As per the information received from the Dean, Faculty of Science, AU:

TWO DAYS WORKSHOP ON "CYBER SECURITY AWARENESS-ITS APPLICATION AND IMPLICATION"

A two days Workshop on the theme ***"Cyber Security Awareness-its application and implication"*** successfully concluded on March 15, 2022. This workshop was organized for the students of the Department of Family and Community Sciences under financial assistance from the Unassigned Grants, University of Allahabad. The workshop covered different modules related to cyber security, its threats and their types, cyber bullying, hacking and basic tactics of cyber security. Mr. Vibhav Srivastava and Ms. Rupal Rao from Vapsoft Technologies Pvt. Ltd., Prayagraj were the trainers of the workshop. The valedictory session was presided over by Dr. Mona Khare, Director, IPS. She stressed on the need of imparting Cyber security training to the young minds in this era of digitalization. She said that this workshop will certainly be beneficial for the participants in expanding their overall cyber security experience and knowledge. In the morning session the participants were imparted knowledge about different types of hackers (grey hat, white hat and black hat hackers) and the steps to be taken to prevent hacking. They learnt various ways to protect their system against cyber predators and also measures to detect and safeguard their systems against cyber fraud. Earlier on the first day of the workshop the students were trained on the need and importance of cyber-security, consequences of cyber attacks on the individual, system and cyber space, types of cyber threats, identifying cyber predators and ways to protect systems against them. The students were also made aware about cyber harassment and stalking on social media and identifying scamming and trolling through social media connection. Blocking and reporting cyber bullying was also an integral part of the session. The workshop was inaugurated by Prof. Shekhar Srivastava, Dean Faculty of Science, University of Allahabad. He said that the workshop is extremely beneficial for the students to create cyber awareness among them and also to have a deeper understanding of the application and implication of cyber security. The Convener of the workshop was Dr. Ritu K. Sureka, Assistant Professor, Department of Family and Community Sciences. Dr. Priyanka Kesarwani, Assistant Professor, Department of Family and Community Sciences was the Organising Secretary. The participants shared their positive feedback about the workshop and certificates were distributed to them for their active participation.

"साइबर सुरक्षा जागरूकता पर दो दिवसीय कार्यशाला

15 मार्च, 2022 को "साइबर सुरक्षा जागरूकता" पर दो दिवसीय कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के परिवार और सामुदायिक विज्ञान विभाग की छात्राओं के लिए आयोजित की गई थी। कार्यशाला में साइबर सुरक्षा, इसके खतरे और उनके प्रकार, साइबर बुलिंग, हैकिंग और साइबर सुरक्षा की बुनियादी रणनीति

से संबंधित विभिन्न मॉड्यूल शामिल थे। वैपसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड प्रयागराज से श्री विभव श्रीवास्तव और सुश्री रूपल राव कार्यशाला के प्रशिक्षक थे।

समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ. मोना खरे, निदेशक, आईपीएस ने की। उन्होंने डिजिटलाइजेशन के इस युग में युवाओं को साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए अपने समग्र साइबर सुरक्षा अनुभव और ज्ञान के विस्तार में निश्चित रूप से फायदेमंद होगी। सुबह के सत्र में प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के हैकर्स (ग्रे हैट, व्हाइट हैट और ब्लैक हैट हैकर्स) और हैकिंग को रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने साइबर शिकारियों के खिलाफ अपने सिस्टम की रक्षा करने के विभिन्न तरीके सीखे और साइबर धोखाधड़ी से अपने सिस्टम को सुरक्षित रखने के उपाय भी सीखे।

कार्यशाला के प्रथम दिवस पर छात्राओं को साइबर सुरक्षा की आवश्यकता और महत्व, साइबर हमलों के परिणाम, साइबर स्पेस, साइबर खतरों के प्रकार, साइबर शिकारियों की पहचान और उनके खिलाफ सिस्टम की सुरक्षा के तरीकों पर प्रशिक्षण दिया गया था। छात्राओं को सोशल मीडिया पर साइबर उत्पीड़न और सोशल मीडिया कनेक्शन के माध्यम से धोखाधड़ी और ट्रोलिंग की पहचान करने के बारे में भी जागरूक किया गया। साइबर बुलिंग को रोकना और रिपोर्ट करना भी सत्र का एक अभिन्न अंग था।

कार्यशाला का उद्घाटन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर शेखर श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला छात्रों के बीच साइबर जागरूकता पैदा करने और साइबर सुरक्षा के अनुप्रयोग और निहितार्थ की गहरी समझ पैदा करने के लिए बेहद फायदेमंद है।

कार्यशाला का संयोजन डॉ. रितु सुरेका, सहायक प्रोफेसर, परिवार और सामुदायिक विज्ञान विभाग द्वारा किया गया । डॉ. प्रियंका केसरवानी, सहायक प्रोफेसर, परिवार और सामुदायिक विज्ञान विभाग कार्यशाला की आयोजक थीं । प्रतिभागियों ने कार्यशाला के बारे में अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया साझा की और उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए उन्हें प्रमाण पत्र वितरित किए गए।